[श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन)]

मध्य प्रदेश को सिचाई जल की आपूर्ति भी नहीं की जा सकी है। मध्य प्रदेश से उद्गमित नर्मदा पश्चिम की ओर बहने वाली सबसे बड़ी नदी है, जिसकी प्रवाहित जल क्षमता 40 एम० ए० एफ० टी० से भी कुछ अधिक है। मध्य प्रदेश को नर्मदा की कुल उपयोगी जल क्षमता 28 मिलीयन एकड़ फीट में 18.25 मिलियन एकड़ फीट पानी का उपयोगाधिकार प्राप्त है। इस क्षमता का 5 मिलियन एकड़ फीट पानी क्षिप्रा के माध्यम से चम्बल में पहुंचाया जा सकता है। उक्त 5 मिलियन एकड़ फीट पानी का दो मिलियन एकड़ फीट पानी को इन्दौर, देवास, उज्जैन, रतलाम, मन्दसौर जिलों में जल प्रदाय और सिचाई के लिए उपयोगी किया जा सका है, जिससे पेय जल प्रदाय के अतिरिक्त इस क्षेत्र की 5 लाख एकड़ से अधिक कृषि भूमि को सिंचित किया जा सकता है। शेष 3 मिलियन एकड़ फीट पानी का उपयोग चम्बल नदी पर बने बिजलीघरों से विद्युत उत्पादन और सिचाई के लिए किया जा सकेगा।

नर्मदा का पानी बड़वाह से नदी के बहाव की विपरीत दिशा में 10 कि० मी० दूरी पर स्थिति गोदरपुरा से क्षिप्रा के उद्गम क्षुडेबकलां जिसकी दूरी लगभग 35 कि० मी० है, पहुंचाया जा सकता है। कम्पेल पर सुरंग बनाकर पानी को ऊंचा चढ़ाने की ऊंचाई को भी कम किया जा सकता है।

नर्मदा-क्षिप्रा-चम्बल लिंक प्रोजेक्ट से से चम्बल नदी पर बनाए गये बिजली घरों से 386 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ ही 15 लाख एकड़ सिचाई 200 करोड़ के अनुमानित व्यय से पूरी की जा सकती है।

अतएव मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि उक्त योजना को क्रियान्वित कर पेयजल, सिचाई और बिजली उत्पादन में वृद्धि करने के उपाय किये जावें।

(ii) Need for Central Government's help to people in J & K affected by setback in tourist trade

SHRI ABDUL RASHID KABULI (Srinagar) : The tourist trade in Jammu & Kashmir has suffered a great setback due to the political and economic turmoil shattering the overall economy of the State and depriving lakhs of people of their livelihood. The people affected include artisans, houseboat owners and taxi drivers, hoteliers, transporters, small businessmen and daily-wage-enrners. For two consecutive years people have withnessed violent agitations which have resulted in scaring away tourists from Kashmir since 1983 forcing many holiday-seekers to abandon their tours and sightseeing programmes.

In July a curfew was imposed in Srinagar and some other parts of Kashmir Valley. This development has completely destroyed the prospects and whatsover was left of tourist trade.

In the present conditions of economic deprivity of masses living in Kashmir Valley the Government of India must rise to the occasion and try to salvage and provide succour to the idle and starving lakhs people who have traditionally been living on tourist trade. Besides offering relief, incentives and involving people in different schemes, let the recovery of the taxes and loans from the affected people be stopped for the time being to tide over the crisis

12 20 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

(iii) Proposed Railway Coach Factory at Gorakhpur.

श्री हरिकेश बहादुर : (गोरखपुर) : माननीय, पूर्वी उत्तर प्रदेश कृषि एवं औद्योगिक दोनों ही दृष्टियों से अत्यन्त पिछड़ा हुआ है जिस से उक्त क्षेत्र में भीषण बेरोजगारी फैली